इस्राइल के तबाह हुए इलाकों का पुनर्निर्माण करेंगे यूपी के कारीगर

इस्राइल में रोजगार संबंधी दो सेंटर दिल्ली व चेन्नई में, यूपी में तीसरे की तैयारी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। हमास के हमलों से तबाह इलाकों का कायाकल्प यूपी के 16 हजार कुशल राजमिस्त्री, कारपेंटर और स्लैब एक्सपर्ट करेंगे। फिलहाल 10 हजार कामगारों को भेजा जाएगा। जनवरी में रवानगी में शुरू हो जाएगी। इस्राइल में रोजगार संबंधी जानकारी व जरूरतों का एक सेंटर यूपी में भी खोलने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए इस्राइल दूतावास से संपर्क किया गया है। अभी देश में इस्राइल के रोजगार संबंधी दो सेंटर दिल्ली और चेन्नई में हैं।

प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि इस्राइल और हमास के बीच छिड़ी जंग से इस्राइल के सीमावर्ती इलाके भी गोलाबारी से बर्बाद हो गए हैं। इन इलाकों को पुनः संवारने के लिए इस्राइल को एक लाख कुशल कामगारों की तत्काल जरूरत है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए

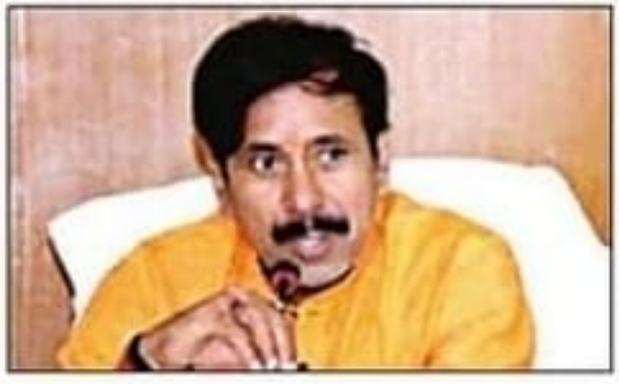

श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा, 16 हजार कामगारों की सूची हुई फाइनल

इस्राइल ने दिल्ली और चेन्नई में दो सेंटर खोले हैं। इन सेंटरों के जरिये वहां रोजगार संबंधी जानकारी और जरूरत को साझा किया जाएगा। लखनऊ में भी सेंटर खोलने की तैयारी श्रम मंत्रालय ने की है। इसके लिए लगातार वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क में हैं।

उन्होंने बताया कि 16 हजार कुशल कामगारों की सूची फाइनल हो गई है। सबसे ज्यादा मांग राजमिस्त्री, कारपेंटर और लिंटर के काम में दक्ष कारीगरों की है। अंग्रेजी की थोड़ी समझ और हाईस्कूल पास होना जरूरी है। प्रदेश सरकार ने मांग के अनुरूप कारीगरों का चयन श्रमिक सेवायोजन, बीओसीडब्ल्यू बोर्ड और सेवा मित्र पोर्टल से किया है। अनुभव को प्राथमिकता पर रखा गया है।

हर कारीगर को प्रति माह 1.38 लाख रुपये वेतन

श्रम मंत्री ने बताया कि हर कारीगर को 1.38 लाख रुपये प्रति माह वेतन देने के अतिरिक्त खाने-रहने की व्यवस्था इस्राइल सरकार करेगी। 10 जनवरी तक कामगारों से जुड़ी जानकारी इस्राइल सरकार ने मांगी हैं। जनवरी के अंत तक उनकी रवानगी शुरू हो जाएगी। अभी कारीगरों को वहां कितने समय रहना है, इसे तय नहीं है। पर, वहां के हालात को देखते हुए कम से कम एक साल या इससे ज्यादा का कांट्रैक्ट न्यूनतम होगा।